बैठी दादी सजधज के | By Amit Chandak

ओढ़ चुनरिया लाल बैठी है दादी सजधज के
बैठी है दादी सजधज के, बैठी है दादी सजधज के
देख लो दादी को दरबार बैठी है दादी सजधज के
ओढ़ चुनरिया लाल बैठी है दादी सजधज के

बिंदिया को रंग लाल तिहारो
आंख्या को काजल है कारो
मुख पे है तेज अपार बैठी है दादी सजधज के
ओढ़ चुनरिया लाल बैठी है दादी सजधज के

गालों पर है लट घुंघराली
कानो में है झुमका बाली
गल विच फूलां रो हार बैठी है दादी सजधज के
ओढ़ चुनरिया लाल बैठी है दादी सजधज के

हाथां की या मेहँदी प्यारी
निरख रही माँ दुनिया सारी
खूब सज्यो श्रृंगार बैठी है दादी सजधज के
ओढ़ चुनरिया लाल बैठी है दादी सजधज के

शिव सुबोध माँ दर पर आयो
अमित तेरी महिमा गायो
मोती है सरकार बैठी है दादी सजधज के
ओढ़ चुनरिया लाल बैठी है दादी सजधज के

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a5%88%e0%a4%a0%e0%a5%80-%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%a6%e0%a5%80-%e0%a4%b8%e0%a4%9c%e0%a4%a7%e0%a4%9c-%e0%a4%95%e0%a5%87-by-amit-chandak/